

PRESS RELEASE ON NATIONAL SCIENCE DAY- 2013 CELEBRATION AT RRCAT

At Raja Ramanna Centre for Advanced Technology, Indore, National Science Day is celebrated every year on the last Saturday of the month of February. This year it was celebrated on 23 February, 2013. 1500 students and teachers of 111 schools and colleges from Indore and some from far away places came to visit the scientific facilities in RRCAT. The staff members of RRCAT had prepared about 15 exhibits which were kept in 12 buildings to explain the scientific and technical activities of the centre and to demonstrate a few concepts in basic sciences. The programme started at 9.00 Hrs with an address by Dr. P.D. Gupta, Director, RRCAT. Dr. Gupta informed that the National Science Day is celebrated to commemorate the path-breaking discovery of Raman Effect which led to the winning of Nobel Prize by Prof. C.V. Raman. Dr. Gupta brought out several inspirational aspects of Prof. Raman's personality and life-style besides his scientific contributions. Dr. Gupta also described the growth of Indian Science in the last few decades and the contribution of the Department of Atomic Energy in the enhancement of Science and Technology capabilities of our country. He also gave an overview of Laser and Accelerator activities at RRCAT and explained several applications. His simple and easy to understand explanations had a stimulating effect on the students and teachers. He also indicated on the educational institutions and prospects for students who may like to make a career in scientific research.

After his address all the students were taken to different laboratories in organized groups under the guidance of volunteers from RRCAT. The students and teachers were greatly enthused by the interesting exhibits. Snacks and lunch were served to the students and accompanying faculties from various schools and colleges. In the afternoon, families /relatives of RRCAT officials visited the laboratories and witnessed exhibits.

An overall enthusiastic approach was exhibited by the students towards science by the inspiration they received from the Science Day Celebration. They admired the scientific activities being pursued by DAE in general, and RRCAT in particular.

प्रेस रील्लिज - आरआरकेट में विज्ञान दिवस समारोह- 2013

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर में प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के अंतिम शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसलिए इस वर्ष यह 23 फरवरी 2013 को मनाया गया। इन्दौर तथा आसपास के 111 विद्यालयों के 1500 विद्यार्थी एवं शिक्षक आरआरकेट की वैज्ञानिक सुविधाएं देखने आए। मूलभूत विज्ञान की कुछ अवधारणाओं का प्रदर्शन करने और केन्द्र की वैज्ञानिक और तकनीकी गतिविधियों को समझाने के लिए आरआरकेट के स्टाफ सदस्यों ने लगभग 15 प्रदर्शनियां तैयार की जो 12 भवनों में लगाई गई। डा. पी. डी. गुप्ता, निदेशक, आरआरकेट के संबोधन के साथ कार्यक्रम 9.00 बजे प्रारंभ हुआ। डा. गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस रमन प्रभाव की खोज करने पर मनाया जाता है जिसके लिए प्रोफेसर सी.वी.रमन ने नोबल पुरस्कार प्राप्त किया। डा. गुप्ता ने प्रोफेसर रमन के वैज्ञानिक योगदान के अलावा उनके व्यक्तित्व और उनकी जीवन-शैली के कई प्रेरणादायी पहलुओं को बताया। डा. गुप्ता ने पिछले कुछ दशकों में भारतीय विज्ञान की प्रगति और हमारे देश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने में परमाणु ऊर्जा विभाग के योगदान के बारे में भी बताया। उन्होंने आरआरकेट में लेसर और त्वरक गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला और कई अनुप्रयोगों के बारे में भी बताया। उनके सहज और सरल व्याख्यान से सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों पर अच्छा प्रभाव पड़ा। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों और विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान में कैरियर बनाने पर भी जोर दिया।

उनके संबोधन के पश्चात सभी विद्यार्थियों को संगठित समूहों में आरआरकेट के वॉलंटियर के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रयोगशालाओं में ले जाया गया। विद्यार्थी एवं शिक्षक इन रोचक प्रदर्शनों से बहुत ही उत्साहित थे। विभिन्न स्कूलों और कालेजों से आए सभी विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को नाश्ते एवं दोपहर का भोजन दिया गया। दोपहर में, आरआरकेट के कर्मचारियों के परिवारों ने प्रयोगशालाएं एवं प्रदर्शनियों को देखा।

विज्ञान दिवस समारोह में विद्यार्थियों में विज्ञान से प्रेरित होकर एक समग्र उत्साही दृष्टिकोण देखने को मिला। उन्होंने परमाणु ऊर्जा विभाग की सामान्य तौर पर और विशेष रूप से आरआरकेट में चल रही वैज्ञानिक गतिविधियों की प्रशंसा की।